नवभारत
भोपाल, रविवार, 17 मई, 2026

दलित युवक के साथ बेरहमी से मारपीट

थाने में सुनवाई न होने पर एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित परिवार

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 16 मई। जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भैरा में एक युवक के साथ मारपीट और प्रताड़ना का गंभीर मामला सामने आया है. स्थानीय पुलिस द्वारा मामले में कोई ठोस कदम न उठाए जाने से आहत होकर पीड़ित शनिवार को अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंचा और न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की.

बिना वजह गाली-गलौज और डंडों से हमला

पीड़ित मुकेश अनुरागी ने एसपी को सौंपे शिकायती पत्र में बताया कि बीती रात करीब 8:00 बजे वह गांव के बाहर पुलिया पर बैठा हुआ था. इसी दौरान गांव का ही निवासी रामसनेही यादव वहां आया और बिना किसी कारण के उसके साथ गाली-गलौज करने लगा.पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने जातिसूचक शब्दों (अपशब्दों) का इस्तेमाल करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी और डंडों से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया.

जान बचाकर भागा पीड़ित

मुकेश के अनुसार, आरोपी के चंगुल से वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा.घटना के समय वहां मौजूद सुदामा कुशवाहा और सोनू अनुरागी ने बीच-बचाव किया, जिन्हें इस मामले में प्रत्यक्षदर्शी गवाह बनाया गया है.

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

आरोप लगाते हुए कहा कि वारदात के बाद वे शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे थे.लेकिन पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाने के बजाय उन्हें पूरे दिन थाने में बिठाए रखा और कोई सुनवाई नहीं की.पुलिस की इस बेरुखी से तंग आकर परिजनों को जिला मुख्यालय आकर एसपी से गुहार लगानी पड़ी.एसपी कार्यालय द्वारा मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच और उचित कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं.

पुलिसकर्मी ने थाने बुलाकर पीटा, मंगलसूत्र तोड़ा

■ महिला ने लगाए गंभीर आरोप ■ शिकायत वापस लेने बनाया दबाव

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 16 मई. छतरपुर जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र से खाकी को दागदार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां की एक महिला ने थाने में पदस्थ एक पुलिसकर्मी पर बर्बरतापूर्वक मारपीट, गाली-गलौज और अभद्रता करने के बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं.

न्याय की आस में पीड़िता शनिवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंची और शिकायती पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की. ग्राम बमनी छईछुआ की निवासी रामबाई ने बताया कि बड़ामलहरा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी सरमन कुमार ने उन्हें फोन किया था और इलाज कराने का झांसा देकर थाने बुलाया. महिला का आरोप है कि जैसे ही वह थाने पहुँची, पुलिसकर्मी ने उन पर 'सीएम हेल्पलाइन 181' में दर्ज कराई गई एक पुरानी शिकायत को वापस लेने के लिए जबरन दबाव बनाना शुरू कर दिया. महिला के अनुसार, जब उसने शिकायत वापस लेने से साफ इनकार कर दिया, तो आगबबूला होकर पुलिसकर्मी ने उसे भद्दी गालियां दीं और बेरहमी से मारपीट की. पीड़िता का दावा है कि मारपीट के दौरान उसे जमीन पर घसीटा गया, जिससे उसका मंगलसूत्र भी टूट गया. महिला ने एक और चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उसका पति शुक्रवार से लापता है. उसे अंदेशा है कि गाँव के सरपंच काशीराम ने उसके पति के साथ कोई अनहोनी या मारपीट करवाई है.

वरिष्ठ अधिकारियों से न्याय की गुहार

थाने में खुद रक्षक को भक्षक बनते देख पीड़िता ने शनिवार को छतरपुर एसपी कार्यालय में अपनी शिकायत दर्ज कराई. महिला ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी पुलिसकर्मी सरमन कुमार पर सख्त वैधानिक कार्रवाई हो और उसके लापता पति की जल्द से जल्द तलाश की जाए. इस मामले में अब देखना यह होगा कि जिला पुलिस प्रशासन अपने ही विभाग के आरोपी कर्मचारी पर क्या रुख अपनाता है.

एक महिला, तीन शादियां और बेरहमी से मारपीट!

दूसरे पति के पास जाने की जिद पर तीसरे ने पिलाया जहर

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 16 मई. जिला मुख्यालय के बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पलकुंवा में पारिवारिक रिश्तों को कलंकित करने वाली एक सनसनीखेज और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है. यहां तीन शादियां कर चुकी एक महिला को उसके तीसरे पति ने ही जान से मारने का खौफनाक प्रयास किया.

पुलिस के अनुसार, अस्पताल के बेड पर तड़प रही पीड़िता की पहचान सरोज पटेल के रूप में हुई है. शुरुआती जांच में जो कहानी निकलकर सामने आई है, वह किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसी है. सरोज ने एक के बाद एक तीन शादियां की थीं और वर्तमान में वह अपने तीसरे पति कालीचरण पटेल के साथ रह रही थी. हालांकि, बीते कुछ दिनों से सरोज अपने तीसरे पति को छोड़कर अपने दूसरे पति हल्के पटेल के पास वापस लौटने की जिद पर अड़ी हुई थी. पत्नी का यह फैसला तीसरे पति कालीचरण को नागवार गुजरा. इसी बात से नाराज होकर कालीचरण ने शुक्रवार दोपहर करीब 2:00 बजे सरोज को रास्ते से हटाने की साजिश रची. वह उसे गांव के पास स्थित जंगल की ओर ले गया और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया. शनिवार को अस्पताल में होश आने के बाद पीड़िता ने बमीठा पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई और बयान दर्ज कराए. पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्रिकोणीय पारिवारिक विवाद के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है.

युवक का शव मिलने से फैली सनसनी

सिरोंज16 मई. क्षेत्र के ग्राम भौंरिया के समीप के क्षेत्र में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक सोमवार से लापता बताया जा रहा था. युवक का शव आज ग्राम भौंरिया के समीप के क्षेत्र में मिला है. मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की. वही एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है. मामले में पुलिस जांच कर रही है.

एक नजर में

दिव्यांग बंदियों को दिए व्हीलचेयर और सहायक उपकरण

छतरपुर. जेल में दिव्यांग और वृद्ध बंदियों के स्वास्थ्य और सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला जेल छतरपुर में एक विशेष मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया. सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के आदेशों के पालन में और जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ-साथ उन्हें आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया. यह मानवीय आयोजन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सी.आर.सी.) छतरपुर के आपसी समन्वय से संपन्न हुआ. शिविर के दौरान मौजूद विशेषज्ञ दल द्वारा बंदियों को इन सहायक उपकरणों के सही उपयोग के तरीके समझाए गए. साथ ही, जेल की बंदिशों के बीच अपनी सेहत का ख्याल रखने और भविष्य में पुनर्वास से जुड़े महत्वपूर्ण मार्गदर्शन भी प्रदान किए गए.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भरा जोश

शमशाबाद. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विदिशा जिले में संगठन सृजन के लिए चलाए जा रहे पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी विदिशा द्वारा शमशाबाद स्थित आर.एम. गार्डन में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में विधानसभा स्तर के ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चा संगठनों एवं विभागों के पदाधिकारी तथा पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधि शामिल हुए. बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस प्रभारी राजेश रघुवंशी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता वर्षों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद मजबूती से पार्टी के साथ खड़ा है, जो कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है. उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी और प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ पूरा संगठन खड़ा रहेगा. उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प भी दोहराया.विधानसभा प्रभारी निर्मल पुरोहित ने कहा कि चुनाव में जीत हासिल करना आसान नहीं है, इसके लिए दिल और दिमाग में जुनून होना जरूरी है. संगठन सृजन अभियान के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ता में यही जोश और समर्पण पैदा किया जाएगा.जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने कहा कि संगठन में अब वही आगे बढ़ेगा जो सक्रिय रूप से काम करेगा.

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीण

हैदरगढ़. कस्बा हैदरगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और उमस के बीच अघोषित बिजली कटौती ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है. विभाग द्वारा लगातार 'मेंटेनेंस' के नाम पर घंटों बिजली बंद किए जाने से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है. स्थिति यह है कि गर्मी से राहत देने वाले कूलर और पंखे बिजली न होने के कारण शोपीस बनकर रह गए हैं. रात्रि करीब 1 बजे से 2 बजे के बीच हुई बिजली कटौती को लेकर जब ग्रामीणों ने पावर हाउस पहुंचकर जानकारी ली, तो ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि एनडीसीसी (NDCC) के निर्देश पर लोड शेडिंग की गई थी.ग्रामीणों की परेशानी यहीं समाप्त नहीं हुई. सुबह होते ही विभाग ने एक बार फिर मेंटेनेंस कार्य का हवाला देते हुए बिजली बंद कर दी. विभागीय शेड्यूल के अनुसार सुबह 8 बजे से 10 बजे तक मेंटेनेंस के लिए बिजली कटौती की घोषणा की गई थी. लोगों ने यह सोचकर दो घंटे की कटौती सहन की कि इसके बाद निर्बाध बिजली मिलेगी, लेकिन 10 बजे आने वाली बिजली करीब 11 बजे के बाद ही बहाल हो सकी.स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग प्रतिदिन सुबह-शाम मेंटेनेंस कार्य कर रहा है, तो फिर लगातार फाल्ट क्यों हो रहे हैं. वहीं, यदि मेंटेनेंस पूरा हो चुका है तो भीषण गर्मी में रात के समय अघोषित बिजली कटौती क्यों की जा रही है. लगातार हो रही बिजली कटौती से व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं. भीषण गर्मी में बिजली समस्या बने रहने से बच्चों, बुजुर्गों एवं आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

चलती ट्रेन में आग लगने की अफवाह से हड़कंप

बोगी से कूद गईं महिलाएं-बच्चे, अग्निशामक यंत्र से निकला था धुआं

नवभारत न्यूज

महोबा/छतरपुर, 16 मई. प्रयागराज से खजुराहो होते हुए डॉ. अंबेडकर नगर (महू) जाने वाली ट्रेन संख्या 14116 (प्रयागराज-महू एक्सप्रेस) में आग लगने की अफवाह से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई.

महोबा स्टेशन से करीब 20 किलोमीटर आगे आउटर पर हुई इस घटना के बाद बोगी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. डर के मारे कुछ महिलाएं बच्चों को लेकर धीमी गति से चल रही ट्रेन से नीचे कूद गईं, जिससे उन्हें मामूली चोटें आई हैं. जानकारी के अनुसार, यह घटना ट्रेन की बोगी संख्या एस-7 (257783) में घटित हुई. सफर के दौरान सीट के नीचे रखे फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक यंत्र) पर अचानक एक यात्री का पैर पड़ गया, जिससे उसकी सेफ्टी पिन दब गई. पिन दबते ही उसमें से तेजी से सफेद पाउडर वाला धुआं निकलने लगा. अचानक उठे धुएं को देखकर किसी यात्री ने 'ट्रेन में आग लग गई' का शोर मचा दिया, जिससे पूरी बोगी में भगदड़ की स्थिति बन गई.

लोको पायलट ने लगाए इमरजेंसी ब्रेक

बोगी में मचे हड़कंप और शोर-शराबे की सूचना मिलते ही लोको पायलट ने तत्परता दिखाई और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को आउटर पर ही रोक दिया. ट्रेन रुकते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. जांच करने पर पता चला कि ट्रेन में कोई आग नहीं लगी थी, बल्कि धुएं का कारण सिर्फ अग्निशामक यंत्र का एक्टिवेट होना था.

12 यात्री आउटर पर छूटे

अधिकारियों के मुताबिक, घबराहट के कारण 3 से 4 महिलाएं अपने बच्चों के साथ चलती ट्रेन से नीचे उतरने का प्रयास करने लगीं, जिनमें से दो महिलाओं को मामूली चोटें आई हैं. उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया. इस हंगामे के चलते ट्रेन करीब 15 मिनट तक आउटर पर खड़ी रही. स्थिति सामान्य होने पर जब ट्रेन को रवाना किया गया, तो जल्दबाजी में करीब 12 यात्री आउटर पर ही छूट गए. बाद में आरपीएफ ने संवेदनशीलता दिखाते हुए निजी वाहनों की व्यवस्था की और सभी छूटे हुए यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य स्टेशन तक पहुंचाया. गनीमत रही कि समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ.

पैसों को लेकर गर्भवती महिला से मारपीट

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 16 मई. जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पैसों के लेनदेन को लेकर एक गर्भवती महिला के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है. आरोपी युवक द्वारा किए गए इस हमले में गर्भवती महिला को गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

जानकारी के अनुसार, पीड़िता अफसाना खातून सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के संकट मोचन पहाड़ी (सिघाडी नदी के पास) की रहने वाली है. शनिवार दोपहर करीब 2:00 बजे जिला अस्पताल में अपनी आपबीती सुनाते हुए पीड़िता ने बताया कि पैसों के मामूली लेनदेन को लेकर एक युवक ने उसके साथ विवाद शुरू कर दिया. विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने महिला की गर्भावस्था की स्थिति को भी दरकिनार करते हुए उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट कर दी.

पुलिस जांच में जुटी

मारपीट के कारण महिला की हालत बिगड़ गई और उसे पेट व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं. घटना के तुरंत बाद परिजनों ने उसे जिला अस्पताल के वार्ड में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है. अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस भी मामले को संज्ञान में ले रही है. इस अमानवीय कृत्य को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है और पीड़िता के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है.

मानस भवन में दस दिवसीय शिविर शुरू

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 16 मई. बदलती जीवनशैली और बढ़ती शारीरिक समस्याओं के बीच लोगों को स्वस्थ जीवन की राह दिखाने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्थानीय मानस भवन में दस दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ हुआ. स्वयं स्वस्थ बनो अभियान एवं रक्त सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में पहले ही दिन बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर योग एवं मेरिडियन व्यायामों का अभ्यास किया. शिविर का मार्गदर्शन मुंबई की योग विशेषज्ञ डॉ. गीता जैन एवं दीपक जानी द्वारा किया जा रहा है. शिविर का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ.

कांग्रेस जिला प्रभारी पहुंचे कुरवाई

नवभारत न्यूज

कुरवाई, 16 मई. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त विदिशा जिला प्रभारी राजेश रघुवंशी शुक्रवार को कुरवाई पहुंचे, जहां उत्सव गार्डन में विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में संगठन सृजन अभियान के तहत गठित ब्लॉक कमेटियों, मंडलम कार्यकारिणी, पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के कार्यों का गहन अवलोकन किया गया.

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी राजेश रघुवंशी ने कहा कि बैठक के बाद सभी ब्लॉकों में जाकर ब्लॉक अध्यक्षों एवं वार्ड-बूथ कमेटियों के साथ जमीनी स्तर पर कार्य किया जाएगा. उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है. जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने स्पष्ट कहा कि सक्रिय एवं निष्क्रिय कार्यकर्ताओं का मूल्यांकन किया जाएगा. अब केवल भाषणबाजी से काम नहीं चलेगा और पार्टी में

विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक बैठक आयोजित

उसी कार्यकर्ता का सम्मान होगा जो जमीनी स्तर पर मेहनत करेगा. विधानसभा प्रभारी ने कहा कि ब्लॉक, मंडलम एवं पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता घर-घर पहुंचेंगे और मिशन 2028 को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे.

गौसेवा हनुमान पहाड़ी स्थित आश्रम में जीव सेवा की मिसाल

बछड़ों की अठखेलियां बनीं आकर्षण का केंद्र

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 16 मई. छतरपुर जिले के चंदला क्षेत्र अंतर्गत हनुमान पहाड़ी स्थित मानव कल्याण आश्रम इन दिनों आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ अनूठी जीव सेवा का भी केंद्र बना हुआ है.

आश्रम परिसर में मौजूद गौवंश के बछड़ों की मनमोहक अटखेलियां और उनकी मासूम गतिविधियां यहां आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. जीव सेवा और स्नेह का सुंदर उदाहरण आश्रम प्रबंधन द्वारा यहां गौवंश और विशेषकर छोटे बछड़ों की देखभाल, खान-पान और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है. आश्रम के सेवाभावी वातावरण में पल रहे ये नन्हे बछड़े पूरे परिसर में बेफिक्र होकर दौड़ लगाते और खेलते नजर आते हैं, जो हर किसी का मन मोह लेता है.

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, हनुमान पहाड़ी आश्रम हमेशा से ही लोगों की आस्था का केंद्र रहा है. लेकिन अब यहां जीव सेवा के इस सुंदर दृश्य ने पूरे वातावरण को और भी अधिक सजीव और प्रेरणादायक बना दिया है. यह स्थान अब आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ मूक पशुओं के प्रति प्रेम और करुणा की एक जीवंत मिसाल पेश कर रहा है.

महिलाओं ने रखा वट सावित्री व्रत

पठारी 16 मई. नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को श्रद्धा एवं आस्था के साथ वट सावित्री व्रत रखा गया. सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि एवं पुत्र प्राप्ति की कामना को लेकर बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना की.धार्मिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ अमावस्या के दिन रखा जाने वाला वट सावित्री व्रत अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. इस दिन वट वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है. मान्यता है कि वट वृक्ष में त्रिदेव का वास होता है और इसकी पूजा करने से मां सावित्री का आशीर्वाद प्राप्त होता है.सुबह ब्रह्म मुहूर्त में महिलाओं ने स्नान-ध्यान कर व्रत का संकल्प लिया.